प्रतिवेदन

अन्तर सदन संस्कृत सम्मेलन

साहित्य संगीत कला विहीनः साक्षात पशु पुच्छ विषाण विहीनः

अर्थात - जो मनुष्य साहित्य ,संगीत अथवा किस भी अन्य कला से विहीन है,वो साक्षात पूंछ और सींग रहित पशु के समान है।

हिलवुडस स्कूल, गांधीनगर के प्रांगण में शुक्रवार (03-08-2018) को अन्तर सदन संस्कृत सम्मेलन का आयोजन किया गया।इस प्रतियोगिता को संस्कृत समूह गान (कक्षा छठी से आठवीं के लिए)व संस्कृत संभाषण (कक्षा नवमी से बारहवीं के लिए) दो भागों में विभाजित किया गया था।

अपने-अपने प्रस्तुतीकरण से प्रतिभागियों ने ,भारतीयों की अनेकता में एकता तथा देशभक्ति की भावना,माँ एक ईश्वरीय अवतार और संस्कृत भाषा के महत्त्व जैसे अनेक विषयों को भिन्न-भिन्न अंदाज़ में उजागर किया।

चारों सदनों के प्रतिभागियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया परंतु समूह गान प्रतियोगिता में श्रेष्ठ सदन तक्षशिला रहा तो वहीं संस्कृत संभाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान (उज्जैन सदन) व द्वितीय स्थान (नालंदा सदन) ने प्राप्त किया।